भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं.1769 का उत्तर

मुर्शिदाबाद जिले में रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं

1769. श्री यूसुफ पठान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मुर्शिदाबाद जिले में चल रही रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं, जिनमें सड़क ऊपरी पुल/सड़क अधोगामी मार्गों का निर्माण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य तथा समपार फाटकों को बंद करना शामिल है, की प्रगति की समीक्षा की है;

(ख) क्या सरकार अवगत है कि उक्त जिले के सियालदह-लालगोला खंड पर बेलडांगा, रेजीनगर तथा अन्य स्टेशनों पर रेलवे समपार फाटकों को बंद किए जाने के कारण गंभीर यातायात जाम तथा सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न हो रहे हैं; और

(ग) यदि हाँ, तो इन स्थानों पर सड़क ऊपरी पुलों/सड़क अधोगामी मार्गों के निर्माण की वर्तमान स्थिति, आवंटित निधि, निर्माण कार्य में तेजी लाने के प्रस्ताव तथा परियोजना-वार उनके पूरा होने की संभावित तिथि/निर्धारित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिला की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यताओं, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

मुर्शिदाबाद क्षेत्र में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई परियोजनाओँ का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	आजिमगंज-मुर्शिदाबाद नई लाइन (7 कि.मी.)	164
2	लालगोला - जियागंज दोहरीकरण (23 कि.मी.)	124
3	आजिमगंज-मनिग्राम दोहरीकरण (21 कि.मी.)	150
4	बाजार सौ-आजिमगंज जंक्शन. दोहरीकरण (42 कि.मी.)	343
5	नलहाटी-सागरदिघी दोहरीकरण (26 कि.मी.)	193
6	मोनिग्राम-निमतिता दोहरीकरण (24 कि.मी.)	713
7	आजिमगंज-सागरदिघी दोहरीकरण (16 कि.मी.)	98

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। परियोजनाओं के लिए बजट आबंटन किसी परियोजना में हुई प्रगति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा निर्माण कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	4,380 करोड़ रुपए/वर्ष
2026-27	14,205 करोड़ रुपए (3 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ निर्माण कार्य का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	863 कि.मी.
2014-26	1,366 कि.मी.

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: आने वाली 83,433 करोड़ रुपए की लागत से कुल 5,148 कि.मी. लंबाई की 64 परियोजनाएं (14 नई लाइन, 04 आमान परिवर्तन और 45 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	14	1,056	337	13,872
आमान परिवर्तन	4	1,201	854	3,676
दोहरीकरण/बहुपथन	45	2,891	530	10,401
कुल	63	5,148	1,721	27,949

हाल ही में पूरी की गईं परियोजनाएं:

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली तथा हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन (130 कि.मी.)	908
2	बर्द्धमान-कटवा आमान परिवर्तन (52 कि.मी.)	696

3	अहमदपुर-कटवा आमान परिवर्तन (52 कि.मी.)	440
4	पाँशकुड़ा-खड़गपुर दोहरीकरण (45 कि.मी.)	408
5	कृष्णनगर-बेथुयाडहरी दोहरीकरण (28 कि.मी.)	152
6	नबद्वीपधाम-पाटुली दोहरीकरण (22 कि.मी.)	170
7	बेथुयाडहरी-पलासी दोहरीकरण (23 कि.मी.)	132
8	अम्बिका कालना-नबद्वीपधाम दोहरीकरण (23 कि.मी.)	145
9	तमलुक जंक्शन- बासुलिया सुताहाटा दोहरीकरण (24 कि.मी.)	245
10	पलासी-जियागंज दोहरीकरण (54 कि.मी.)	234
11	न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 कि.मी.)	330
12	न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड दोहरीकरण (29 कि.मी.)	445
13	सांइथिया-तारापीठ तीसरी लाइन (22 कि.मी.)	186
14	आमबाड़ी फालाकाटा - न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण (38 कि.मी.)	843
15	बैण्डेल-बैंची-तीसरी लाइन (31 कि.मी.)	546
16	बैंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन (26 कि.मी.)	424
17	खड़गपुर-नारायणगढ़ तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	270
18	पुरुलिया-कोटशिला दोहरीकरण (36 कि.मी.)	393
19	सागरदिघी-मालदा टाउन दोहरीकरण (25 कि.मी.)	248

चालू परियोजनाएं:

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	चाण्डिल- दामोदर तीसरी लाइन (121 कि.मी.)	1,932
2	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन (83 कि.मी.)	1,542
3	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 कि.मी.)	11,973
4	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 कि.मी.)	1,209
5	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन (33 कि.मी.)	1,147

6	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943
7	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	3,450
8	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	3,425
9	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर 5वीं लाइन (18 कि.मी.)	350
10	डानकुनि-बाल्टीकुरी तीसरी और चौथी लाइन (18 कि.मी.)	429
11	मुरारई-बड़हरवा तीसरी लाइन (49 कि.मी.)	935
12	राणाघाट-कृष्णानगर सिटी तीसरी लाइन (26 किमी.)	446
13	अलुआबाड़ी रोड़-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 किमी.)	1,630
14	साइंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन (81 किमी.)	1,569
15	सांतरागाछी - खड़गपुर चौथी लाइन (111 कि.मी.)	2,905
16	बारबेंदा-दमरूघुटू दोहरीकरण, दमरूघुटू-बोकारो स्टील सिटी तीसरी एवं चौथी रेल लाइन (52 कि.मी.)	815
17	रानाघाट-बंगांव दोहरीकरण (33 कि.मी.)	396
18	यार्ड से होकर हिजली-निमपुरा तीसरी लाइन (6 कि.मी.)	234
19	न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (7 कि.मी.)	215
20	ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (56 कि.मी.)	916
21	रामपुरहाट में बाईपास रेल लाइन (12 कि.मी.)	190

ज़ोन-वार परियोजनाओं का विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

मुर्शिदाबाद जिले में संपर्कता सुधार के लिए गंगा नदी पर चार लाइनों वाले रेलवे पुल सहित गुमानी-न्यू फरक्का-मालदा टाउन तीसरी और चौथी लाइन (59 कि.मी.) सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) तैयार होने के पश्चात, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकार सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन अर्थात नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए निश्चित समय-सीमा तय करना विभिन्न हितधारकों के मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करता है।

स्टेशन पुनर्विकास:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली

- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, यातायात के साधनों का एकीकरण, भुसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यायवरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1340 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से मुर्शिदाबाद जिले के आजिमगंज, बहरमपुर कोर्ट, धुलियान गंगा, जंगीपुर रोड, खागड़ाघाट रोड और न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशन समेत 102 स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अण्डाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू

		फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, राणाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जंक्शन, श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है:

पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में उन स्टेशनों के नाम जहां कार्य पूरा हो गया है, का विवरण निम्नलिखित है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	13	अनारा, बाराभूम, दीघा, गड़बेता, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- आजिमगंज स्टेशन: नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन का कार्य, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रवेश बरामदा, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफॉर्म सतह में सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- बहरमपुर कोर्ट स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर तथा प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर प्लेटफॉर्म सतह में सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म सतह के

सुधार कार्य, बुकिंग काउंटर तथा 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- धुलियान गंगा स्टेशन: परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, प्रतीक्षालयों, शौचालय, बुकिंग काउंटर, संकेतकों तथा लिफ्टों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के विस्तार, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल और पार्किंग का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया हैं।
- जंगीपुर रोड स्टेशन: प्रतीक्षालयों का सुधार संबंधी निर्माण कार्य, शौचालय, बुकिंग काउंटर, संकेतकों तथा लिफ्टों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के विस्तार तथा परिचलन क्षेत्र के सुधार के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- खागड़ाघाट रोड स्टेशन: संकेतकों तथा रेलगाड़ी संकेतक बोर्डों के संस्थापन के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, प्रतीक्षालयों तथा प्रवेश बरामदे के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालयों, शौचालय, प्रवेश बरामदे, संकेतकों तथा रेलगाड़ी संकेतक बोर्डों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र के सुधार तथा पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों पर विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता सापेक्ष प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना

रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। पश्चिम बंगाल राज्य चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,231 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 471 करोड़ रुपए(जून, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

समपार :

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के बड़ी लाइन पर कुल 15,689 अदद चौकीदार वाले समपार हैं। इनमें से 1,552 अदद चौकीदार वाले समपार (एमएलसी) पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित हैं। इन चौकीदार वाले समपारों में से 119 चौकीदार वाले समपार सियालदह-लालगोला रेलखंड पर स्थित हैं। इसके अलावा, इन चौकीदार वाले समपारों के स्थान पर 42 ऊपरी/निचले सड़क पुल के निर्माण कार्य को स्वीकृती दी गई है।

समपारों (एलसी) को या तो समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुल का निर्माण करके या बंद करके कम यातायात वाले समपारों अथवा उस स्थान की परिस्थितियों के आधार पर सड़क यातायात को निकटवर्ती ऊपरी/निचले सड़क पुल/समपार की ओर मोड़कर समाप्त किया जाता है।

ऊपरी सड़क पुल एवं निचले सड़क पुल:

भारतीय रेल में समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों की स्वीकृति एक सतत् और गतिशील वाली प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को रेल परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की

गतिशीलता तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करके शुरू किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-26 (मई, 2026 तक) तक की अवधि के दौरान भारतीय रेल में निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (मई, 2026 तक)	14,451 अदद (पश्चिम बंगाल राज्य में 547)

01.06.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में ₹1,17,492 करोड़ की लागत से 4,993 ऊपरी/निचले सड़क पुल निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

इनमें से पश्चिम बंगाल राज्य में लगभग 8,060 करोड़ रुपए की लागत से 363 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए है, जिनमें मुर्शिदाबाद जिले के लगभग 428 करोड़ रुपए की लागत पर 27 अदद आरओबी/आरयूबी के कार्य शामिल हैं जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

168/7-11 कि.मी. पर समपार संख्या 111 के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया जा चुका है। विस्तृत अनुमान तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

158/3-5 कि.मी. पर समपार संख्या 104 के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया जा चुका है। निविदा जारी कर दी गई है और कार्य शुरू कर दिया गया है।

ऊपरी/निचले सड़क पुलों का निर्माण कार्य का पूरा होना और चालू होना कई कारकों जैसे समपार को बंद करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच संरेखण तय करना, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की मंजूरी, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण को हटाना, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक

मंजूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति जलवायु परिस्थितियों के कारण किसी विशिष्ट परियोजना/स्थल के लिए वर्ष में किए जाने वाले कार्य की अवधि आदि पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/निर्माण कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्य की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. **सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले सुचारू रूप से निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।**
ii. **आरओबी/आरयूबी कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों की आवधिक पर बैठकें की जाती हैं।**
iii. **डिजाइन अनुमोदन के दौरान होने वाले विलंब से बचने के लिए रेलवे के हिस्से में विभिन्न स्पैन, विषमतलीयता तथा सड़क की चौड़ाई के विभिन्न संयोजनों हेतु अधिसंरचना एवं उपसंरचना के आरेखों का मानकीकरण किया गया है। इसे एक सार संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे शीघ्र योजना निर्माण के लिए रेलवे लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल के लिए सीधे अपनाया जा सकता है।**

*****